# वो शिमला वाली

हाय दोस्तों
उमीद है आप भी मज़े में होंगे और स्टोरीज़ का मज़ा लेते हुये ज़िंदगी का आनन्द उठा रहे होंगे।
तो दोस्तों बात उस दिन कि है जब बारिश हो रही थी और मैं भीगता हुआ अपने घर की तरफ़ अपनी बाइक पे जा रहा था। शाम के करीब 5:30 का समय था। अचानक मैने देखा कि मेरी तरफ़ कोई लिफ़्ट के लिये कोई हाथ हिला रहा था, गौर से देखा तो वो 25-30 साल की एक युवती थी। मैने बाइक रोकी। वो मेरे पास आके पूछने लगी कि आप कहां जा रहे हो? मैने कहा-आपको कहां जाना है?
वो रेलवे स्टेशन जाना चाहती थी। मैने कहा कि मैं भी वहीं जा रहा हूं (जबकि मैं अपने घर जा रहा था)। वो मेरे पीछे बैठ गयि। मैं बाइक को रफ़्तार से दौड़ाने लगा। उसके मोम्मे मेरी पीठ से सटे हुये थे। मैं गरम हो रहा था। बातों बातों में पता चला कि वो शिमला में जोब करती है, उस का पति दिल्ली में कोई प्राइवेट जोब करता था और वो अपनी बेटी को लेने के लिये जा रही थी जो आज़ ट्रैन से आने वाली थी।
हम रेलवे स्टेशन पहुँच गये थे, ट्रैन आने में अभी थोड़ा टाइम था, हम कैंटीन में चाय पीने चले गये। कैंटीन में उस ने जैसे ही उस ने अपना रैन कोट उतारा तो मुझे उस की जवानी के दर्शन हुये। गज़ब की खूबसूरति थी उस की। व्हाइट कलर के टोप में उस की ब्रा भी चमक रही थी सो उस के मोम्मो के साइज़ का अंदाज़ा लगाना कोई मुश्किल नहीं था। एक दम गोरी चिट्टी थी वो। चाय पीते हुये मैने उस के हुस्न का नज़ारा लिया और खूब बातें भी की। सर्दी के मौसम में उस की गरम जवानी ने मेरे रोम रोम में गरमी भर दी थी और मेरा लंड अपने आपे से बाहर हो रहा था।
तभी ट्रैन भी आ गयी। हमने उस की 5 साल की बेटी को साथ लिया और फ़िर मैने उसे कहा-मैं आपके घर तक छोड़ देता हूं, उस ने मना किया लेकिन मैं जानना चाहता था कि वो कहां रहती है क्योंकि वो मुझे बता चुकी थी कि वो अकेली ही रहती है। मैने दोनो को बाइक पे बैठाया और उस के घर की तरफ़ चल दिया। उस का घर आते ही बारिश भी तेज़ हो गयी। उस ने मुझे बारिश रुकने तक रुकने के लिये कहा और मैं भी तो यहि चाहता था। मैं पूरी तरह भीग चुका था। उसने कोफ़ी बनायी और चेंज कर के जब वो मेरे सामने आयी तो ब्लैक सिल्की नाइटी में वो कोफ़ी से भी ज़्यादा गरम लग रही थी। दिल कर रहा था कि अभी चोद डालु साली को।
सफ़र की वजह से उसकी बेटी आते ही सो गयी थी, बारिश रुकने का नाम नही ले रही थी। तभी लाइट भी चली गयी। वो केंडिल लेने के लिये उठी, मैं भी उसकी मदद करने लगा लेकिन केंडिल

नहीं मिली। अंधेरे में वो मुझपर गिर गयी। वाह क्या गरमी थी। उसने उठने की कोशिश की लेकिन मैने उसको अपनी बाहों में भर लिया और छोड़ा ही नहीं, पहले उस ने विरोध किया लेकिन वो भी शायद कैइ दिनो की प्यासी थी तो उस ने भी ज़्यादा कोशिश नहीं की।

मैने उसके मोम्मे दबाने शुरु कर दिये, वो गरम हो रही थी। मैने धीरे धीरे अपना एक हाथ उसकी नाइटी उठाते हुये उसकी पैंटी में डाल दिया। वो सिहर उठी। मैने अपना मुँह उस की चुत के पास लाके उस की पैंटी को अलग कर दिया। उस की बालों वाली चूत एकदम सेक्सी थी। मैने उसे चाटना शुरु कर दिया। वो आआआअह कर रही थी। मैं अपनी जीभ उस की चूत में डाल चुका था। मस्ती उफ़ान पे थी। मेरे दोनो हाथ उस के मोम्मो पे और जीभ उसकी चूत पे थी। वो आंखें बंद करके मेरा साथ दे रही थी। जब उस से रहा नहीं गया तो उसने कहा प्लीज़ अब चोद भी दो, मैं बहुत दिन से प्यासी हूं।

मैने अपनी पैंट उतार दी। मेरा लंड देखते ही वो खुश हो गयी। मैने उसकी दोनो टांगों को खोला और फ़िर अपना अंडरवियर।

अपना लंड एक ही झटके में उस की चूत में डाल दिया। वो ऊऊऊउह की आवाज़ में मज़ा ले रही थी। अब कमरे में उस की आहें और फ़चाक फ़चाक की आवाज़ें गूंज रही थी। वो बोली-और ज़ोर से चोदो मुझे, फ़ाड़ डालो मेरी चूत को। यो साली बड़े दिन से लंड की भूखी है।

आज इस की भूख और मेरी प्यास बुझा दो। चोदो चोदो और ज़ोर से चोदो मुझे। उसके बोलने के साथ ही मेरी स्पीड भी बढ़ रही थी। ये सिलसिला करीब 25 मिनट चला फ़िर हम दोनो शांत होकर एक दूसरे से लिपट के लेटे रहे। 10 मिनट बाद वो उठी और मेरे लंड को अपने हाथ में ले लिया। उसने बड़े प्यार से मेरे लंड को कहा-यू आर सो स्वीट और अपने मुँह में डाल लिया। वो लंड को ऐसे चूस रही थी कि मानो लोलीपोप चूस रही हो। मेरा लंड दोबारा से चुदाई के लिये तैयार हो गया था।15 मिनट के बाद मैने उसे घोड़ी बनाया और फ़िर पीछे से उसकी गांड में अपना लंड डाल दिया। वो चुद रही थी, मैं चोद रहा था। ये चुदायी सारी रात में 6 बार हुयी। बारिश भी तभी रुकी जब सुबह हुई और उसकी प्यास मैने बुझा दी।

उसके बाद जब भी वो या मैं चाहते तो मिलकर ये चुदाई का खेल खेलते हैं।

अगर कोई भी फ़ुद्दी अपनी प्यास बुझाने की इच्छा रखती हो तो मेल कर सकती है। हमारा रिलेशन राज़ रहेगा। मेरा वादा है आपसे।

# जबरदस्त चुदाई

द्वारा: राज

मैं आपको अपनी गर्लफ्रेंड स्वेता के साथ हुई जबरदस्त चुदाई के बारे में बताता हूं उम्मीद है इस स्टोरी को आप पसंद करेंगे। अगर कोई girl or group of girls,ladies जो मुझसे मिलना चाहे या contact करना चाहे जो जयपुर के पास या जयपुर में रहती हो, .

मेरा नाम राज है। मैं 32साल का हूं। मेरी गर्लफ्रेंड का नाम स्वेता है वो 22 साल की है। और उसकी फ़ीगर तो ऐसी थी की पूछो मत। वो बहुत ही सुंदर है, एकदम गोरी चिट्टी लम्बे लम्बे काले बाल, हाइट करीब 5'5" और फ़ीगर 36-25-38 है। उसका फ़ीगर मस्त है। हम दोनो घर से बाहर आगरा में एक ही रूम में रह कर पढ़ते थे। मैं ने रूम में पढ़ने के लिये कुछ गंदी किताबें रखी हुई थी। जो एक दिन स्वेता के हाथ लग गयी। इसलिये मैं अपने लंड और वो अपनी चूत की प्यास नही रोक सके। वो बोली मैं ही तुम्हारी वाइफ़ बन जाती हूं और मुझे अपनी ही समझो और मेरे साथ सेक्स करो। वो जींस शर्ट में आयी और बोली चलो शुरू हो जाओ। उसने मुझे किस करना शुरु कर दिया मेरे लिप्स को वो बुरी तरह से किस करने लगी। मैं भी जोश मे आ गया और उसको किस करने लगा। और उसको अपनी बाहों मे दबाने लगा। उसको मैं ने खींच के बेड पे लिटा दिया और मैं उसके ऊपर आ गया और उसको चूमना शुरु कर दिया। 10 मिनट तक मैं उसको चूमता रहा।

फिर मैं ने उसका शर्ट खोल दिया । उसके बाद मैं ने उसकी ब्रा भी खोल दी। जैसे ही मैं ने ब्रा खोली तो उसके दूध उछल के बाहर आ गये मैं उसे देखकर उसको दबाने लगा। कितने दिनो के बाद इसके पूरे के पूरे बूब्स देखने को और दबाने को मिले फिर मैं ने उसकी निप्पल को मुंह मे रख दिया और चूसने लगा वो आआआहहहहहहहाआआआहहहहहहाहहहह कर रही थी। मैं उसे चूसता ही रहा थोड़ी देर बाद मैं ने उसकी जींस खोल कर उसको पैंटी पे ला दिया उसकी चूत बहुत गरम हो गयी थी तो उसकी पैंटी गीली हो चुकी थी। मैं ने पैंटी को निकाल के उसकी चूत को फैला के चाटने लगा। वो सिसकारी भर रही थि। अहाआआ अस्सस्सशहस आआआअहहहहहहस्सस्स स्सशाआ आआहस्सहहस्सस अहहहहहहहह हहहहहह हस्साआ आअहह हहहा हहहहाआ हहहहाहह...

वो मेरे लंड को हाथ में लेकर खींच रही थी और कस कर दबा रही थी। फिर स्वेता ने कमर को ऊपर उठा लिया और मेरे तने हुए लंड को अपनी जांघो के बीच लेकर रगड़ने लगी। वो मेरी तरफ़ करवट

लेकर लेट गयी ताकि मेरे लंड को ठीक तरह से पकड़ सके। उसकी चूची मेरे मुंह के बिल्कुल पास थी और मैं उन्हे कस कस कर दबा रहा था। अचानक उसने अपनी एक चूची मेरे मुंह मे ठेलते हुए कहा, चूसो इनको मुंह में लेकर। मैं ने उसकी लेफ़्ट चूची मुंह में भर लिया और जोर जोर से चूसने लगा। थोड़े देर के लिये मैं ने उसकी चूची को मुंह से निकाला और बोला, मैं हमेशा तुम्हारी कसी चूची को सोचता था और हैरान होता था। इनको छूने की बहुत इच्छा होती थी और दिल करता था कि इन्हे मुंह में लेकर चूसू और इनका रस पीऊं। पर डरता था पता नहीं तुम क्या सोचो और कहीं मुझसे नाराज़ न हो जाओ। तुम नहीं जानती स्वेता कि तुमने मुझे और मेरे लंड को कितना परेशान किया है? अच्छा तो आज अपनी तमन्ना पूरी कर लो, जी भर कर दबाओ, चूसो और मज़े लो; मैं तो आज पूरी की पूरी तुम्हारी हूं जैसा चाहे वैसा ही करो, स्वेता ने कहा। फिर क्या था, स्वेता की हरी झंडी पाकर मैं जुट पड़ा स्वेता की चूची पर।

मेरी जीभ उसके कड़े निप्पल को महसूस कर रही थी। मैं ने अपनी जीभ स्वेता के उठे हुए कड़े निप्पल पर घुमाया। मैं ने दोनो अनारों को कस के पकड़े हुए था और बारी बारी से उन्हे चूस रहा था। मैं ऐसे कस कर चूचियों को दबा रहा था जैसे कि उनका पूरा का पूरा रस निचोड़ लुंगा। स्वेता भी पूरा साथ दे रही थी। उसके मुंह से ओह! ओह! अह! सी, सी! की आवाज निकल रही थी। मुझसे पूरी तरह से सटे हुए वो मेरे लंड को बुरी तरह से मसल रही थी और मरोड़ रही थी। उसने अपनी लेफ़्ट टांग को मेरे कंधे के उपर चढ़ा दिया और मेरे लंड को अपनी जांघो के बीच रख लिया। मुझे उसकी जांघो के बीच एक मुलायम रेशमी एहसास हुआ। ये उसकी चूत थी। स्वेता ने पैंटी नहीं पहन रखी थी और मेरे लंड का सुपाड़ा उसकी झांटों मे घूम रहा था। मेरा सब्र का बांध टूट रहा था। मैं स्वेता से बोला, ‘स्वेता मुझे कुछ हो रहा और मैं अपने आपे मे नहीं हूं, प्लीज मुझे बताओ मैं क्या करौं? स्वेता बोली, करो क्या, मुझे चोदो, फाड़ डालो मेरी चूत को।

मैं चुपचाप उसके चेहरे को देखते हुए चूची मसलता रहा। उसने अपना मुंह मेरे मुंह से बिल्कुल सटा दिया और फुसफुसा कर बोली, अपनी स्वेता को चोदो’ स्वेता हाथ से लंड को निशाने पर लगा कर रास्ता दिखा रही थी और रास्ता मिलते ही मेरा लंड एक ही धक्के में सुपाड़ा अंदर चला गया। इससे पहले कि स्वेता सम्भले या आसन बदले, मैं ने दूसरा धक्का लगाया और पूरा का पूरा लंड मक्खन जैसी चूत की जन्नत में दाखिल हो गया। स्वेता चिल्लाई, उईई ईईईइ ईईइ माआआ हुहुह्ह्ह्ह ओह रोहित, ऐसे ही कुछ देर हिलना डुलना नहीं, हाय! बड़ा जालिम है तुम्हारा लंड। मार ही डाला मुझे तुमने मेरे राजा। स्वेता को काफ़ी दर्द हो रहा था। पहली बार जो इतना मोटा और लम्बा लंड उनके बुर में घुसा था। मैं अपना लंड उसकी चूत में घुसा कर चुपचाप पड़ा था। स्वेता की

चूत फड़क रही थी और अंदर ही अंदर मेरे लौड़े को मसल रही थी। उसकी उठी उठी चूचियां काफ़ी तेज़ी से ऊपर नीचे हो रही थी। मैं ने हाथ बढ़ा कर दोनो चूची को पकड़ लिया और मुंह में लेकर चूसने लगा। स्वेता को कुछ राहत मिली और उसने कमर हिलानी शुरु कर दी। फिर स्वेता बोली, अब लंड को बाहर निकालो, लेकिन मैं ने मेरा लंड धीरे धीरे स्वेता की चूत में अंदर-बाहर करने लगा। फिर स्वेता ने स्पीड बढ़ाने को कहा। मैं ने अपनी स्पीड बढ़ा दी और तेज़ी से लंड अंदर-बाहर करने लगा। स्वेता को पूरी मस्ती आ रही थी और वो नीचे से कमर उठा उठा कर हर शोट का जवाब देने लगी। रसीली चूची मेरी छाती पर रगड़ते हुए उसने गुलाबी होंठ मेरे होंठ पर रख दिये और मेरे मुंह में जीभ ठेल दिया।

चूत में मेरा लंड समाये हुए तेज़ी से ऊपर नीचे हो रहा था। मुझे लग रहा था कि मैं जन्नत पहुंच गया हूं। जैसे जैसे वो झड़ने के करीब आ रही थी उसकी रफ़्तार बढ़ती जा रही थी। कमरे में फच फच की आवाज गूंज रही थी मैं स्वेता के ऊपर लेट कर दनादन शोट लगाने लगा। स्वेता ने अपनी टांग को मेरी कमर पर रख कर मुझे जकड़ लिया और जोर जोर से चूतड़ उठा उठा कर चुदाई में साथ देने लगी। मैं भी अब स्वेता की चूची को मसलते हुए ठका ठक शोट लगा रहा था। कमरा हमारी चुदाई की आवाज से भरा पड़ा था। स्वेता अपनी कमर हिला कर चूतड़ उठा उठा कर चुदा रही थी और बोले जा रही थी, “अह्ह्ह आअह्ह्ह्ह उनह्ह्ह्ह ऊओह्ह्ह्ह ऊऊह्ह्ह्ह्ह हाआआन हाआऐ मीईरे रज्जज्जजा, माआआअर गयययययये रीईए, लल्लल्लल्ला चूऊओद रे चूऊओद।

उईईईई मीईईरीईइ माआअ, फाआआअत गाआआयीई रीईई शुरु करो, चोदो मुझे। लेलो मज़ा जवानी का मेरे राज्जज्जा,” और अपनी गांड हिलाने लगी। मैने लगातर 30 मिनट तक उसे चोदा। मैं भी बोल रहा था, “लीईए मेरीईइ रानीई, लीई लीईए मेरा लौड़ा अपनीईइ ओखलीईए मीईए। बड़ाआअ तड़पयययययया है तूनीई मुझीई। लीईए लीई, लीई मेरीईइ स्वेताआअ ये लंड अब्बब्बब तेराआ हीई है। अह्ह्ह्ह्ह! उह्ह्ह्ह्ह्ह्ह क्या जन्नत का मज़ाआअ सिखयाआअ तुनीईए। मैं तो तेरीईईइ गुलाम हूऊऊ गयीईए।” स्वेता गांड उछाल उछाल कर मेरा लंड चूत में ले रही थी और मैं भी पूरे जोश के साथ उसकी चूचियों को मसल मसल कर अपनी स्वेता को चोदे जा रहा था। स्वेता मुझको ललकार कर कहती, लगाओ शोट मेरे राज”, और मैं जवाब देता, “ये ले मेरी रनी, ले ले अपनी चूत में। “जरा और जोर से सरकाओ अपना लंड मेरी चूत में मेरे राज”, “ये ले मेरी रानी, ये लंड तो तेरे लिये ही है।” “देखो राज्जज्जा मेरी चूत तो तेरे लंड की दिवानी हो गयी, और जोर से और जोर से आआईईईईए मेरे राज्जज्जज्जजा। मैं गयीईईईईए रीई,” कहते हुए मेरी स्वेता ने मुझको कस कर अपनी बाहों में जकड़ लिया और उसकी चूत ने ज्वालामुखी का लावा छोड़ दिया।

अब तक मेरा भी लंड पानी छोड़ने वाला था और मैं बोला, “मैं भी अयाआआ मेरी जाआअन,” और मैने भी अपने लंड का पनी छोड़ दिया और मैं हांफ़ते हुए उसकी चूची पर सिर रख कर कस के चिपक कर लेट गया। तो दोस्तो ये थि मेरी स्वेता की चुदाई की जबरदस्त कहानी।

**Any college girl, group of girls, wives, or ladies near by Agra, Delhi जो मुझसे मिलना चाहति हो बेझिझक मुझे contact करें, अपना कोई भी अनुभव मुझे mail करें,**

## मेरा दोस्त विनोद

हाय दोस्तों
आप के लिये एक बार फ़िर मैं एक और गरम गरम स्टोरी लेकर आया हूं। तो दोस्तों बात हमारे एक दोस्त की है। नाम था विनोद।
विनोद एक बिजिनेसमेन था, अभी कुछ ही दिन पहले विनोद की शादी हुई थी। विनोद की वाइफ़ (मेरी भाभी)एक मस्त हुस्न की मालिक थी।
उसके हुस्न की तारीफ़ भी क्या करुं-शब्द ही कम पड़ सकते हैं। फ़िर भी कोशिश करता हूं।
रंग---मलाई मार के(मतलब एकदम गोरा)
हाइट----5&3/4ft
मम्मे---34
कमर-----28-30
गांड-----34
के आसपास का फ़ीगर था उसका।
अब ऐसी मस्त जवानी को देख कर भला कौन होगा जिस का मन उसको चोदने को न करे। सो मेरा मन भी बिगड़ गया। विनोद का रंग सांवला था और उसकी हाइट भी 5&1/2ft थी। पता नहीं क्या सोच कर उस हुस्न परी ने उस चूतिये से शादी की थी। हम दोस्त मज़ाक में बात करते थे कि- अगर ये मोम्मे चूसता होगा तो चूत नही मार पाता होगा और अगर चूत मारता होगा तो मोम्मे छूट जाते होंगे।
एक दिन भाभी मेरे घर पर आयी, मैं घर पे अकेला था।
भाभी ने मम्मी के बारे में पूछा तो मैने बताया कि वो 2-3 दिन के लिये दिल्ली गयी है और डैड भी साथ गये हैं। मैने उनको बैठ कर चाय पीने को कहा। वो थोड़ा झिझक रही थी, लेकिन सेक्सी भाभी पहली बार मेरे घर पे आयी थी तो मैं उनके साथ कुछ पल बिताने का मौका हाथ से जाने नहीं देना

चाहता था। मैने उन्हें ज़बरदस्ती चाय पीने के बहाने से रोक लिया। मैं चाय बनाकर भाभी के पास पहुँच गया और भाभी से बात करने लगा। भाभी को छेड़ते हुए मैने पूछा-और भाभी कैसा चल रहा है, विनोद ज़्यादा तंग तो नहीं करता? भाभी ने कोई जवाब नहीं दिया और मुझे लगा कि मैने शायद कुछ गलत सवाल कर दिया है। मैने भाभी से सोरी कहा।

भाभी ने कहा सोरी की कोई बात नहीं है, मैं फ़िर कभी आउंगी अभी चलती हूं।

भाभी की इस बात से मुझे दाल में कुछ काला होने जैसा लग रहा था। खैर मुझे क्या लेना था। मैं जल्दी से अपने बेडरूम में गया और मैने भाभी के नाम की मुठ मार ली।

अगले दिन भाभी को फ़िर से अपने दरवाज़े पे देख कर मैं हैरान था, भाभी ने पूछा-मम्मी & डैड आ गये या नहीं?

मैने कहा-आपको बताया तो था कि वो 2-3 दिन में आयेंगे

भाभी ने पूछा-चाय नहीं पिलाओगे आज़?

मेरी तो लाइफ़ ही बन गयी कि जिसे कल मैं ज़बरदस्ती चाय पिला रहा था आज़ वो खुद मेरे पास आयी है कुछ वक्त बिताने के लिये।

मैने जल्दी से चाय बनायी और फ़िर हम दोनो एक साथ बैठ कर चाय पीने लगे।

आज़ मैं चुप था, भाभी ने पूछ लिया-क्या बात है, चुप क्यों हो।

मैने कहा-कल मैने आपका दिल दुखाया था सो आज़ मैं कोई ऐसी बात नहीं करना चाहता जिस से आपका दिल दुखी हो।

भाभी के सब्र का बांध टूट गया, अपनी आंखों में आंसू भरती हुयी वो बोल पड़ी-नितिन

विनोद बहुत अच्छे है लेकिन सिर्फ़ अच्छा होना ही काफ़ी नहीं होता। कुछ और भी होना चाहिये एक औरत को खुश करने के लिये।

मैने भाभी के आंसु साफ़ करते हुये पूछ लिया भाभी मुझे ठीक से बताओ कि माज़रा क्या है, शायद मैं आपकी कुछ मदद कर सकुं।

भाभी ने बताया कि विनोद के साथ रात बिताना मुश्किल हो जाता है, जब तक मैं गरम होती हूं, विनोद ठंडा हो जाता है। एक बार विनोद का पानी निकल जाये तो वो सो जाता है और मैं प्यासी तड़पती रहती हूं। इस जवानी का क्या फ़ायदा अगर कोई इस जवानी को लूट ही न पाये।

मौका अच्छा था। मैने भाभी से कहा-कोई बात नहीं भाभी, मैं हूं न। ये कहते हुये मैने अपना एक हाथ भाभी के मोम्मो पे रख दिया। भाभी ने कुछ नहीं कहा तो मैने भाभी से कहा-भाभी जाने दो साले विनोद को उस चूतिये को इतनी सेक्सी बीवी मिली है, अगर इस हुस्न को देख कर भी साले का लंड खड़ा नहीं होता तो साले के लंड को काट देना चाहिये।

मैने इतना कहते हुये अपना हाथ भाभी के ब्लाउज़ में डाल दिया, भाभी सिहर उठी। मैने कहा-भाभी अब आपको प्यासा रहने की ज़रूरत नहीं। जब तक मैं हूं आपको नहला दूंगा।
इतना कहते हुये मेरा दूसरा हाथ भाभी की साड़ी के अन्दर जा चुका था। मैं भाभी की चूत को ऊपर से सहलाने लगा और फ़िर मैने भाभी की पैंटी को साइड में करते हुये अपनी एक उंगली उसकी बुर में डाल दी, ऊऊऊऊऊऊह की सी आवाज़ में वो मेरा साथ दे रही थी।
अब मैने भाभी की साड़ी को अलग कर दिया और उस के मोम्मो को आज़ाद कर दिया।
उस के मोम्मे देखते ही मेरे मुँह मैं पानी आ गया।
मैने जल्दि से उस के मोम्मे चूसना शुरु कर दिया। वाह क्या रस था उन मोम्मो का। मैं चूस रहा था और वो कह रही थी-धीरे धीरे माई लव।
लेकिन मुझे आराम नहीं था
मैने अब उसके पेटीकोट और पैंटी को भी उस से अलग कर दिया।
अब वो मेरे सामने एकदम नंगी पड़ी थी। उस की चूत पे एक भी बाल नहीं था।
तांगे एकदम चिकनी थी। मैं हैरान था कि ऐसी जवानी को देख कर तो लंड बैठना ही नहीं चाहिये लेकिन साले विनोद का लंड खड़ा ही नही होता।
मैने अब अपने कपड़े भी उतार दिये। मेरे लंड को देखते ही वो बोली-ये तो बहुत मज़बूत लग रहा है-लाओ इसे चख कर तो देखुं-और फ़िर उस ने मेरा लंड अपने मुँह में डाल लिया और चूसने लगी। मैं भी 69 पोजिशन में उस की चूत को चाटने लगा।
10-15 मिनट बाद वो बोली-जान अब नहीं रहा जा रहा है, इस लंड को मेरी चूत में डाल दो और चोद दो मुझे। मैने उस की टांगों को ऊपर उठा दिया और अपना लंड एक ही झटके में उस की चूत में पूरा डाल दिया। उस की चीख निकल गयी लेकिन वो जानती थी कि इस दर्द के बाद ही तो मज़ा है सो वो मेरा साथ देने लगी।
चोदो चोदो मज़ा आ रहा है, तुम्हारा लंड आज़ से मेरी चूत का मालिक है, इस चूत को आज़ इतना चोदो कि अगले कुछ दिन तक ये दोबारा लंद नसा मांगे चोदो चोदो मुझे चोदो।
उस के बोलने के साथ ही मेरी चोदने की स्पीड बढ़ रही थी।
आआआआआआआआआआआआआआआआआह ऊऊऊऊऊऊऊऊह फ़क मी ऊऊउह फ़क माई पुस्सस्सस्सस्सस्सस्सस्सस्सस्सस्सस्सस्सस्सस्सस्सस्सस्ससी फ़क मी फ़क माई पुस्सस्सस्सस्ससी की आवाज़ से मुझे और भी जोश आ रहा था।
आधे घंटे तक मैं उसे चोदता रहा और फ़िर हम एक दूसरे से लिपट कर लेते रहे। 15 मिनट में उस की जवानी की गरमी ने मेरे लंड को एक बार फ़िर से खड़ा कर दिया। मैने एक बार फ़िर से अपना

लंड उस की चूत में डाल दिया।
चोदो चोदो और ज़ोर लगाके चोदो मेरी इस चूत को। मैने भी आज़ उसे इतना चोदा कि वो बोल पड़ी-अब मुझे कोई फ़र्क नहीं पड़ता कि विनोद मुझे चोदे या रात को सो जाये। मुझे मेरी चूत के लिये एक दमदार लंड मिल गया है।
इस के बाद उस ने साड़ी पहनी और अपने घर चली गयी।
इस दिन के बाद अब जब भी हमारा मन होता है तो हम ये चुदाई का खेल खेलते हैं, लेकिन दोस्तो आज़ तक मैं उस की गांड नहीं मार सका। लेकिन एक दिन मैं उस की गांड भी ज़रूर मारुंगा। मैं उस दिन का इन्तज़ार कर रहा हूं।
तो दोस्तों चोदो चुदवाओ और अपनी लाइफ़ को खुशहाल बनाओ

## रिंकी की चुदाई

प्यारे दोस्तों, मैं अपनी स्टोरी की शुरुआत करता हूँ, ये स्टोरी करीब दो साल पहले की है। एक दिन अचानक मेरे कोलेज के दोस्त का फोन आया। चूँकि कोलेज मे हम अच्छे दोस्त थे, कोलेज खत्म होने के बाद हमारा सम्पर्क सिर्फ़ फोन पर रहा, उसने कहा कि उसकी शादी फ़िक्स हो गई है और इसी महीने की 29 तारीख को है, इसलिये हमें 3-4 दिन पहले ही वहाँ आना होगा क्योंकि शादी में काम कुछ ज्यादा ही होता है, अच्छी दोस्ती के चलते मैं उसे न कहा न सका, मैने अपने ओफ़िस से 5-7 दिनो की छुट्टी ले ली। फ़िर मैं 26 तारीख को सुबह उसके घर पहुँचा। जब मैने बेल बजायी तो कुछ देर बाद उसकी छोटी बहन ने दरवाजा खोला, वो मुझे जानती थी लेकिन जब मैने उसे देखा तो देखता रह गया क्योंकि जब मैने उसे देखा था तो कुछ बच्ची की तरह लगती थी, लेकिन अब उसे देख कर मैं हक्का बक्का रह गया जब मैने उससे पूछा कि रिंकी तुम (उसका नाम रिंकी था) वो बोली हाँ पहचान लिये क्या, मैने कहा कि तुम कितनी बड़ी हो गयी हो, फ़िर उसने कहा सारी बातें यहीं करेंगे कि घर में भी आयेंगे। फ़िर हम घर में आ गये,
फ़िर मैने अपने दोस्त राजीव के बारे में पूछा तो वो बोली बस बाज़ार गये हैं आते ही होंगे। क्योंकि उनके घर में राजीव, रिंकी और उनकी माँ ही रहती थी। फ़िर उसने कहा कि ठीक है अब आप फ़्रेश हो जाईये मैं आप के लिये नाश्ता बना देती हूँ। फ़िर मैं बाथरूम में चला गया लेकिन मेरे आंखों में रिंकी का फ़ीगर घूम रहा था उसके बूब्स का साइज़ 34 उसकी फ़ीगर देख कर मेरा मन उसे चोदने का करने लगा, लेकिन दोस्त की बहन थी इसलिये मन को मार कर बाथरूम में मुठ मार कर रह गया, फ़िर थोड़ी देर में उसका भाई भी आ गया, फ़िर हमने साथ में ना_शता किया और फ़िर जो काम था उनकी तैयारी में लग गये, इसी बीच में मेरा हाथ 2-3 बार रिंकी को टच हुआ तो मैने सोरी

कह दिया तो उसने कहा कि इसमें सोरी कि क्या बात है, लेकिन मुझे ऐसा लगा कि फूल की फंखुडी का स्पर्श हुआ, मेरा मन बिचलित होने लगा। फ़िर मैने जानबूझकर 1-2 बार उसके बूबस को टच किया तो उसने इग्नोर कर दिया। लेकिन मेरा मन तो उसे चोदने को कर रहा था, फ़िर शादी के एक दिन पहले जब राजीव को मेंहदी लग रही थी तब मैं वहीं था, मैने देखा कि रिंकी वहाँ नहीं है मैं फ़िर उसके कमरे की तरफ़ गया तो वो कपड़े बदल रही थी और दरवाजा खुला हुआ था।
वो ब्रा पहन रही थी मैं दरवाजे पर ही रुक कर देखने लगा वो काली ब्रा थी। उसका बदन देख कर मेरा लंड जिसकी लम्बाई करीब 8 इंच और 3 मोटा था एकदम खड़ा हो गया, जब वो ड्रेस पहनकर आने लगी तो मुझे देख कर बोली कि आप कब आये मैने झूठ बोल दिया की बस अभी अभी आया हूँ। लेकिन मुझे ऐसा लगा कि उसने शीशे में मुझे देख लिया था। फ़िर वो मुस्कराते हुए चली गयी, फ़िर मैने हिम्मत कर सोचा कि अब इसे मैं चोदकर ही रहुंगा, और फ़िर मैं भी राजीव के पास चला गया वहीं रिंकी के बगल में जाकर बैठ गया और उसके हाथों सहलाने लगा। पहले तो उसने हाथ हटा लिया लेकिन फ़िर थोड़ी देर बाद शायद उसे भी अच्छा लगने लगा। फ़िर धीरे धीरे रात होने लगी, सब सोने जा रहे थे लेकिन मुझे नींद नहीं आ रही थी इसलिये मैने रिंकी से रुकने को कहा तो वह मान गयी। फ़िर हम बात करने लगे हँसी मज़ाक में मैने उसके गालों को छुआ तो इतने कोमल थे कि बता नहीं सकता। अचानक उसने कहा कि एक बात पूचूं आप सच बतायेंगे मैने कहा पूछो, उसने कहा आप सुबह जब मेरे कमरे में आये थे तब मैने आप को देख लिया था तो आप ने मुझसे झूठ क्यो कहा, एक बार तो मैं शोक में आ गया फ़िर कहा उस वक्त तुम जिस हाल में थी कि मैं बता नहीं सकता था इसलिये मैने झूठ कहा, फ़िर मैने कहा कि तुम बहुत ही खूबसूरत हो तो वो शरमा गयी,
फ़िर मैने हिम्मत कर उसके होंठों को छुआ तो वह कांप गयी, वो बोली क्या कर हैं, फ़िर मैने कहा कुछ नहीं बस यूंही तुम्हारे होंठों किस करने का मन कर रहा है, वो कुछ नहीं बोली मैं समझ गया कि काम बन रहा है, मैने फ़िर उसे किस किया, उसके होंठों में इतना रस था कि
मैं उसे चूसता रहा, फ़िर उसने अपने से अलग करते हुए कहा कि कोई आ जायेगा, लेकिन मेरा मन तो उसे चोदने को कर रहा था। लेकिन एक बात
अच्छी थी कि मेरा रूम उसके रूम से सट कर था। फ़िर मैने कहा कि रात में रूम का दरवाजा खोलकर रखना और वो मान गयी,
फ़िर मैन जब रात करीब 1 बजे उसके रूम में गया तो वो नाइट ड्रेस पहन रखी थी उसमें तो और सेक्सी लग रही थी, मैने अन्दर जाकर रूम को लोक कर दिया और जाते ही उसको किस करने लगा और उसे लेकर बेड पर गिरा दिया और उसकी ड्रेस खोलने लगा तो वो बोली ये कर रहे हैं, मैने

उससे कहा कि जरा रुको न अभी बताता हूँ, लेकिन वो सब जानती थी आज उसकी चुदाई होने वाली है, साली जितनी भोली दिखती है उतनी सयानी है। लड़कियां सब जानती हैं पता नहीं लड़कों को क्या समझती हैं, जब मैने उसकी नाइटी उतारी तो उसके बूब्स पर काली ब्रा चमक रही थी, मैं ऊपर से उसके बूब्स को दबाने लगा तो उसने कहा कि दर्द हो रहा है। जब मैने उसकी ब्रा उतारी तो उसके बूब्स इतने स्वीट लग रहे थे कि मन कर रहा था कि खा जाऊं,
और फ़िर धीरे धीरे उसके बूब्स को सहलाने लगा एक हाथ से उसके बूब्स दबा रहा था तो दूसरे हाथ से उसकी चूत, उसकी चूत पर हल्के हल्के बाल थे, फ़िर मैने उसकी पैंटी भी उतार दी, अब वो बिल्कुल नंगी थी लेकिन इस बीच वो झड़ चुकी थी, उसकी चूत से हल्का हल्का पानी निकल रहा था, फ़िर मैने भी अपने कपड़े उतार दिये और जब मेरा लंड बाहर आया जो कि पैंट में खड़ा छटपटा रहा था बाहर आते हि एकदम लाल हो चुका था। मेरे लंड को देख कर रिंकी ने आँख बंद कर ली, अब हम दोनो बिल्कुल नंगे थे और अब मैं उसके होंठों को चौड़ा कर उसकी चूत को चूस रहा था उसकी चूत एकदम टाइट थी जो कि बिल्कुल कुंवारी थी जब मैने अपनी जीभ उसकी चूत में डाली तो उसके मुँह से आआआआआ.....हाआअ
माआआआ..... ..... .निकल गया मैं समझ गया कि माल ताज़ा है सम्भाल कर खाना होगा, फ़िर मैने उसे जोश में लाने लगा मैने उसको अपना लंड दिया कि मुँह में ले लेकिन नहीं ले रही थी, लेकिन जब मैने जबरदस्ती की तो उसने किस किया और निकाल दिया, मैने ज्यादा जोर नहीं दिया कहीं काम बिगड़ न जाये, फ़िर वो गरम हो रही थी फ़िर मैने उससे कहा कि ओयल या क्रीम है तो लाना। तब वो ओयल ले आई। थोड़ा सा तेल मैने अपने लंड पे लगाया और उसके चूत में लगाया,
फ़िर मैने अपने लंड का सुपाड़ा उसकी चूत के मुँह में रखा तो वह उठ बैठी और बोली प्लीज़ दर्द होने लगा फ़िर मैने कहा कि कोई बात नही अभी दर्द कम हो जाता है फ़िर मैं उसे किस करने लगा और उसी बीच में अपना लंड से उसके चूत में धक्का मारा तो वो चीख पड़ी मा..... .....मा ..... ..... ..मर गयीईईईईईईईई..... ..... .....लेकिन उसकी चीख मेरे होंठों से दबी रही लेकिन मेरा लंड अभि 2 इंच ही घुसा था फ़िर मैं उसकी चूची को सहलाने लगा और उसके होंठों को किस करता रहा जब उसका दर्द कम हुआ तो अपने लंड को अन्दर बाहर करने लगा अब रिंकी भी मेरा साथ देने लगी उसी में मैने एक और झटका मारा तो वो दर्द से कँहर उठी और मर गयीईईईईईईईईईईईईईइ रे मार डालल्लल्लल्लल्लला रे ईईईईईईईईबोलने लगी और मैं उसी तरह पड़ा रहा और फ़िर उसके होंठों को चूसता रहा,,,,,,,,,,,, ,
थोड़ी देर बाद रिंकी ने कहा की मुझे नहीं पता था कि तुम्हारा लंड इतना बड़ा है मैं तो एकदम मर

गयी बहुत दर्द हो रहा है मैने कहा कि मेरी रानी अभी तो दर्द हो रहा है कुछ देर में तो तुम्हे मुझसे ज्यादा मज़ा आयेगा और मैं अपने लंड को अन्दर बाहर करने लगा और रिंकी भी जोश में आ कर अपनी कमर तो उठाने लगी उसे भी मज़ा आने लगा और वो जोर जोर से अपनी कमर उठाने लगी मैं समझ गया कि अब इसे जवानी का मज़ा आ रहा है और वो बोली मेरे राजा अब तुम अपना पूरा लंड मेरी चूत में डाल दो मैं तैयार हूं और मैने एक जोर का झटका मारा कि वो दर्द के मारे चीख उठी और मैं उसे यूं ही चोदता रहा और मैने देखा कि उसकी चूत से ब्लड निकल रहा है मैं जानता था कि इसकी ये पहली चुदाई है इसलिये होना ही था और मैं उसे चोदता रहा इसी बीच वो 2-3 बार झड़ चुकी थी और उसकी चूत एकदम गीली हो चुकी थी जिससे कि मेरा लंड आराम से अन्दर बाहर हो रहा था और अब उसका दर्द भी कम हो गया था और हम दोनो जवानी का असली मज़ा ले रहे थे। थोड़ी देर में मैं भी झड़ने वाला था इतने में वो बोली और जोर से चोदो मेरे राजा अब मैं झड़ने वाली हूँ और मैं जोर जोर से धक्के मारने लगा और वो झड़ गयी और थोड़ी देर में मैं भी झड़ गया मेरी इतनी हिम्मत नही थी कि मैं अपना लंड निकाल कर बाहर झड़ जाऊं और मैं उसके ऊपर उसके होंठों को चूसते हुए उसके चूत में झड़ गया और इस तरह मैने उसे उस रात दो बार चोदा

## मीना

मेरा नाम मीना है। मैं 39 साल की खूबसूरत अध्यपिका हूँ और मेरी फ़ीगर 38-28-40 और सेक्सी है। मैं आपको यह बताना चाहती हूँ कि पिछली गर्मियों कि छुट्टी में क्या हुआ था।परिवार के सभी लोग बाहर गये हुए थे और किसी वज़ह से मैं नहीं जा सकी थी । रविवार का दिन था और मैं दोपहर को सोने जा रही थी। मेरे घर में एक और परिवार अलग पोर्शन में किरायेदार था। केवल एक दरवाजा ही था जो दोनो पोर्शन को अलग करता था इसलिए अपनी प्राइवेसी बरकरार रखने के लिए दरवाजा हमेशा बंद ही रहता था। अचानक मैने हल्की सी आवाज़ सुनी, कोई मुझे बुला रहा था, मीना आह्हह आह्हह ओ मीना इ लव यू ओह या ओह या मीनाआआआ। मैं स्तब्ध थी। किरायेदार के परिवार के भी सभी लोग बाहर गये हुए थे केवल धीरज को छोड़कर। इसका मतलब धीरज था। मैने दरवाजा खटखटाया। उसने दरवाजा खोला। क्या तुमने मुझे बुलाया? मैने पूछा। धीरज का चेहरा लाल हो गया था। लेकिन मैं जानती थी कि वो मुठ मार रहा था। अचानक मैने पूछा, धीरज तुम मेरा नाम लेकर मुठ मार रहे थे। वो घबरा गया। मैने कहा, कोई बात नहीं, तुम भी मेच्योर हो 32-33 साल के हो और मैं भी मेच्योर हूँ। आओ एंजोय करते है। धीरज ने लुंगी पहनी हुई थी। वो अभी डिस्चार्ज नहीं हुआ था। इसलिये उसका खड़ा लंड लुंगी में साफ नज़र आ रहा था। मैने आगे बढ़कर उसकी लुंगी में हाथ डाल दिया। ओ माई गोड! इतना बड़ा लंड, लगभग 8 इंच का

होगा। मैने मुट्ठी में लेने की कोशिश की तो मेरी उंगलियां आपस में मिल न सकी। बहुत मोटा और लम्बा लंड है तुम्हारा, मैं बोली। आप का फ़ीगर भी तो कमाल का है। आप की मोटी गांड को याद करके तो मैं न जाने कितनी बार मुठ मार चुका हूँ। मैने धीरज की लुंगी उतार दी और उसे बेड पर ले गयी।

उसका लंड मैने अपने होंठों पर लगा लिया। उसका सुपाड़ा बहुत मोटो था। मेरे मुँह में बड़ी मुश्किल से जा रहा था। धीरज सी सी सी करने लगा। धीरज ने मेरे सिर को पकड़ कर जोर से अपने मोटे लंड पर मारा। आधा लंड मेरे मुँह में चला गया। मैने अपने कपरे उतार दिये और धीरज को भी पूरा नंगा कर दिया। अपनी दोनो टांगे मैने धीरज के मुँह के दोनो तरफ़ कर दी ताकि वो मेरी चूत को चाट सके। अब हम 69 के पोज में आ गये थे। मैं धीरज के लम्बे मोटे लंड को मुँह में लेकर चूसने लगि। आजतक मैने इतना लम्बा लंड नहीं देखा था। मेरे पति का इससे आधा भी नहीं है। धीरज मेरी चूत को कुत्ते की तरह चाटने लगा। मुझे बड़ा अच्छा लग रहा था। मेरे मुँह से सिसकारियां निकलने लगी स्सस्सीईई अह्हह्हह्ह ओह्हह्हह आह्हह्हह्ह स्सीईईइ ऐसे ही चाटते रहो शाबाश ओह्हह्हह यस ओह्हह यस्सस चाटो जोर से प्लीज यस अह्हह्ह म्मम्मम्म धीरज ने अपनी पूरी जीभ मेरी चूत में घुसेड़ दी और लगा उसे अन्दर बाहर करने बिल्कुल वैसे ही जैसे लंड अन्दर बाहर किया जाता है। उंगली से मेरे क्लाइटोरिस को रगड़ने लगा। मैं तो होश खो बैठी। आह्हह्हह म्मम्मम्म याआ सीईइ चाट कुत्ते चाट यस ऐसे ही लगा रह, तेरी बहन की चूत साले चाट चूत को चाट जीभ का लंड बना के चोद मुझे भोसड़ी के सीई सीइ अह्हह्ह म्मम्म तेरे मूसल जैसे लंड को भी अभी डालूंगी अपनी गुलाबी चूत में, शाबाश चाट चाट चाट ओह यस, तेरी बहन को चोदुं अपनी जीभ का लंड बना के चाट। मैं पागल सी हो गयी, पता नहीं क्या क्या बके जा रही थी। मैने कहा धीरज बस अब और नहीं सहा जा रहा, जल्दी से अपना 8 इंच का लंड मेरी चूत में डाल दो नहीं तो तुम्हारे मुँह में ही झड़ जाऊंगी। मैं जल्दी से सीधी लेट गयी और टांगे चौड़ी कर दी, मेरी गांड बहुत मोटी है, इसलिये मेरी चूत ऊपर उठ गयी। धीरज मेरी टांगों के बीच आ गया। जैसे ही उसने अपना मोटा सुपाड़ा मेरी चूत पे लगाया, मुझे लगा जैसे अंगारा रख दिया हो। मैने अपनी दोनो टांगे उसकी कमर पे लपेट दी और जोर से अपनी गांड ऊपर उठा दी, पूरा सुपाड़ा अन्दर चला गया। धीरज ने धक्का मारा आधा लंड अन्दर घुस गया।

मैं बोली, धीरज तुम्हारा लंड बहुत मोटा है, कसा कसा सा लग रहा, बहुत मजा आ रहा है। हाय धीरज पूरा डाल के चोदो। धीरज ने जोर से धक्का मारा, पूरे का पूरा 8 इंच का मोटा लंड मेरी चूत में समा गया। इतना टाइट कि लग रहा था कि ये बना ही मेरी चूत के लिये है। धीरज धीरे धीरे धक्के

मारने लगा, मैं स्वर्ग की सैर करने लगी। बहुत मजा आने लगा। आह्ह्ह्ह ऊऊ आह्ह्ह्ह्ह्ह म्मम्मम्मम सीईईइ आआअ चोदो अपने मोटे लंड से मुझे बहुत मजा आ रहा है, मैं अपनी गांड ऊपर उछालने लगे जिससे कि हर बार पूरा 8 इंच का लंड अन्दर जाये, धीरज जोर जोर से धक्के मारने लगा। मैं पागल सी हो गयी। मुख से बक बक करने लगी, ओ बहन के लौड़े जोर जोर से चोद चोद चोद फ़क मी बास्टर्ड जोर से अह्ह्ह्ह्ह म्मम्मम सीईइ यस यस चोद चोद तेरी बहन को भी मैं ऐसे ही चोदूंगी, तेरी बहन की चूत साले जोर लगा, तेरे मूसल जैसे लंड की अकड़ ढीली करूंगी, अह्ह्ह यस आह्ह्ह बस बस धीरज मैं जाने वाली हूँ बस गयी बस बस ऊओ माआअ गयी मैं गयी, धीरज ने अपनी स्पीड बढ़ा दी। फ़ुल स्पीड पे मुझे चोदने लगा। सेकन्ड्स में उसने गरम गरम ढेर सारा वीर्य मेरी चूत में उढेल दिया। मेरी आंखें बंद हो गयी आह्ह्ह आह्ह्ह्ह म्मम्मम सीईइ याआ अह्ह्ह्ह्ह्ह मैं उसकी छाती से जोर से चिपक गयी। काफ़ी देर बाद हम अलग हुए तो धीरज मेरे होंठ चूम कर बोला, मीना, मैने आजतक इतना मजा नहीं लिया चूत चोदने में। एक घंटे बाद धीरज कहने लगा, मीना एक बार पीछे से चूत चोदने दो। मैं तैयार हो गयी। धीरज का लंड फिर चोदने के लिये खड़ा हो गया। मैं कुतिया की तरह हो गयी। मेरी मोटी गांड को देखते ही धीरज गांड पे जोर जोर से किस करने लगा। मुझे बहुत अच्छा लग रहा था, मैं अपनी गांड मटकाने लगी। धीरज ने मेरी चूत चौड़ी की और अपना लंड टिका कर जोर से धक्का मारा। पूरा लंड सट से अंदर घुस गया। धीरज ने मेरी मोटी मोटि चूचियों को पकड़ लिया और जोर जोर से मसलते हुए धक्के मारने लगा।

मीना इतनी बड़ी चूचियों की मालकिन हो तुम, बहुत अच्छी लगती हैं। लंड कभी अंदर कभी बाहर आ जा रहा था। उसने मेरे मोटे मोटे मम्मो को चोड़कर मेरी 28 इंच की कमर पकड़ ली और जोर जोर से चोदने लगा। सच में इतना लम्बा और मोटा लंड जब अंदर बाहर जा रहा था तो मुझे नशा सा हो गया, साले चोद चोद जोर से चोद सीईईए आह्ह्ह्ह्ह्ह हैईइ अह्ह्ह्ह्ह अह्ह्ह्ह अह्ह्ह्ह, मेरी मोटी गांद मटक रही थी, आह्ह्ह शाबाश धीरज चोद चोद तू साले बहुत बड़ा भोसड़ी चोद है चोद साले चोद मुझे, ओये तेरी बहन की चूत भोसड़ी के आह्ह्ह्ह आह्ह्ह्ह्ह है है आह्ह्ह्ह आह्ह्ह्ह्ह्ह शाबाश जोर से, पूरा 8 इंच का लंड डाल कर चोद, फाड़ डाल मेरी गुलाबी चूत को, आह्ह्ह्ह अह्ह्ह्ह म्मम्मम्म सीई है है है मैं गयी बस बस बस गयी जल्दी से लंड की पिचकारी छोड़ साले तेरी बहन की चूत में मेरा लंड जल्दी कर आह्ह्ह्ह आह्ह्ह्ह मैं गयी, धीरज ने जोर से वीर्य कि पिचकारी मेरी चूत में मार दी। मुझे जन्नत नजर आने लगी। - मीना

[सीमा की चुदाई]

Hi. I am seema. मुझे सेक्सी चैट करना और सेक्सी कहानियां पढ़ना बहुत अच्छा लगता है। मेरी फ़ीगर का साइज़ 34d–27–32 है। मेरे मम्मे गोल गोल है। जब मैं टी–शर्ट और पैंट डालती हूं तो 32d साइज़ की ब्रा डालती हूं। उसमे मेरे मम्मे बहुत टाइट लगते हैं और बिल्कुल सीधे नोकदार हो जाते हैं। मेरे भैया को टी–शर्ट में मेरे मम्मे बहुत attractive लगते हैं। जब वो काम से आते हैं तो आते ही पहले मुझे जफ़्फ़ी में ले लेते हैं। और बहुत डीप किस करने के साथ साथ मेरे मम्मे प्रेस करते हैं और फिर टी–शर्ट को ऊपर उठा कर ब्रा के ऊपर से ही मेरे बूब्स जोर जोर से दबाते हैं। उनको दर्द देने में बहुत मजा आता है। फिर वो मुझे टेबल पर बिठा/लिटा कर मेरी टी–शर्ट ऊपर कर के मेरे बूब्स ब्रा से आज़ाद कर देते है…
थोड़ी देर बाद वो मेरे बूब्स चूसते हैं और बीच –2 में दांत से दर्द भी देते हैं। फिर मेरे नीचे वाले कपड़े मतलब सलवार। या स्कर्ट जो भी होती है। वो उतार देते हैं। मैं घर पर पैंटी बहुत ज़्यादा नहीं डालती। स्कर्ट/सलवार उतारने के बाद वो मेरे बूब्स चूसते–2 मेरी चूत में उंगली करते हैं… और मुझे और अपने आप को वार्म अप करते हैं…

एक दिन मुझे वार्म अप करने के बाद बोले, सीमा मैं तुझे आज ऐसी फ़िल्म दिखाउंगा कि तूने कभी देखी नहीं होगी। मैं भी देखने के लिये बहुत बेताब होने लगी, बोली भैया जल्दी से दिखाओ… भैया ने अपने बेग से सीडी निकाली और… प्लेयर में लगा दी…सचमुच ।। मूवी देख कर मेरी चूत में भी खुजली होने लगी…

उस मूवी में जंगल सीन थे…वो एक फ़ार्म हाउस का सीन थ… जहां पर जानवर और कुत्ते बहुत से थे… एक सीन में एक गर्ल और एक अंकल था। उसने घोड़े के लंड को अपने हाथ में ले लिया और धीरे–2 ऊपर नीचे करने लगा … धीरे–2 घोड़े का लंड बाहर निकलने लगा।

जब घोड़े का लंड पूरी तरह से बाहर निकल आया। तो उस अंकल ने घोड़े के पेट पर धीरे–2 से हाथ फेरना चालू रखा और लड़की को इशारा किय… लड़की पहले से सब–कुछ जानती थी।। वो घोड़े के पास आकर बैठ गयी और उसके long–dong लंड को पहले हाथ में लेकर धीरे–2 आगे पीछे करने लगी… घोड़े का लंड और भी फूलकर टाइट हो गया।

घोड़े का लंड स्पीड से ऊपर नीचे हो रहा था … लड़की ने लंड को अपने मुंह में ले कर चूसना शुरु किया। मैने पहली बार किसी गर्ल को घोड़े का लंड चूसते देखा थ… मेरे दिल में भी बात आ रही थी कि काश मैं भी घोड़े का लंड चूसती… जैसे वो गर्ल चूस रही थी। कितना मज़ा आ रहा होगा उस लड़की को।

फिर उस अंकल ने घोड़े के नीचे एक बेंच बिछा दिया और लड़की उस पर लेट गयी। उसके मम्मे घोड़े के पेट से छू रहे थे … अंकल ने लड़की के चूत में कुछ लिक्विड लगाया और घोड़े का लंड एक हाथ से पकड़ कर एक हाथ से लड़की की चूत के मुंह को खोल दिया और घोड़े के लंड को उसकी चूत में फिट कर दिया … लड़की ने धीरे से अपनी कमर को ऊपर उठाया। घोड़े ने इशारा समझ लिया होगा जिस कारण उसने भी धीरे से अपना लंड लड़की की चूत में डालना शुरु किया … घोड़ा ऊपर से और लड़की नीचे से ऊपर हो रही थी धीरे–2 घोड़े का लंड लड़की की चूत में अंदर जा रहा था, जब लगभग आधे से ज़्यादा घोड़े का लंड लड़की की चूत में चला गया तो लड़की ने इशारा कर दिया … अंकल ने घोड़े को पीछे से नोक किया। घोड़ा रुक गया … लड़की नीचे से अपनी चूतड़ आगे–पीछे करने लगी… साथ–2 वो सिसकारियां भी लेती जा रही थी। अंकल लड़की के मम्मे चूस रहा था … उसके मम्मे भी मेरे मम्मे जैसे गोल गोल थे और मेरे ही साइज़ के लग रहे थे … मुझे ऐसे लग रहा था … जैसे वो घोड़ा मुझे ही चोद रहा है…

थोड़ी देर बाद घोड़े का लगबघ पूरा लंड लड़की के चूत में अन्दर बाहर होने लगा फिर घोड़े ने अपने लंड का पानी निकाल दिया, लड़की की चूत पूरी तरह से भर गयी। फिर भी घोड़े ने धक्के मारना नहीं छोड़ा, लड़की नीचे से तड़प रही थी और अपनी कमर ऊपर उठा कर पूरा लंड अन्दर लेने की कोशिश कर रही थी। फिर घोड़े ने अपना लंड उसकी चूत से निकाल दिया लड़की बेंच से उठकर बैठ गयी और घोड़े का लंड अनद उसका पानी अपने मुंह में लेकर पूरा का पूरा साफ़ कर दिया लड़की के चेहरे पर सेटिस्फ़ेक्शन था।

मेरा भी दिल कर रहा था। अभी कोई मेरी चूत में इतना मोटा लंड डाल दे मैने अपने भैया को बोला रवि भैया प्लीज़ मुझे भी किसी जानवर से चुदाई करवानी है कुछ करो, मेरा बहुत दिल कर रहा है, भैया ने कहा, मुझे पता है सीमा, तुम बहुत सेक्सी हो गयी हो इसलिये मैने अपने दुकान वाले को कहा है कि एक अच्छी नसल का कुत्ता हम लोगों को चाहिये, मेरी बहन घर पर अकेली होती है, तो उसने कहा, मेरे पास एक बहुत अच्छा डोगी है तुम उसे ले जाओ, कल मैं तुम्हारे लिये वो कुत्ता लेकर आउंगा और हम लोग उसके साथ सेक्सी खेल खेलेंगे लेकिन अभी तो मेरा लंड जो तुम्हारी तरफ़ देख कर सलामी मार रहा है, उसे तो शांत करो।

मेरे भैया ने मुझे ज़मीन पर लिटा दिया और मुझे डोगी स्टाइल में होने के लिये कहा। मैं डोगी जैसे बन गयी, मेरे गोल गोल मम्मे नीचे की तरफ़ लटकने लगे। हम दोनो ही नंगे हो चुके थे भैया का लंड जोश में लम्बा और मोटा हो चुका था, अब मुझसे भी सहन नहीं हो रहा था। मूवी देख कर मेरे

चूत में भी बहुत खुजली हो रही थी, मेरे भैया ने अपना लंड पहले मेरे मुंह में देकर कर गीला कर लिया और जल्दी से मेरी चूत को चाट कर गीला कर दिया और जल्दी से अपना लंड मेरी चूत में डाल दिया। पहले आधा लंड मेरी चूत में डाला और फिर एक शोट में पूरा लंड अन्दर कर दिया मुझे ऐसा लग रहा था कि जैसे उस घोड़े का लंड मेरी चूत में चला गया हो। भैया का लंड है ही इतना लम्बा मोटा जब हाथ में लेती हूं तो ऐसा लगता है जैसे घोड़े का ही लंड हो लगभग 10-15 मिनट के धक्के मारने के बाद मेरे भाई ने अपना लंड बाहर निकल दिया और मुझे पीठ के बल ज़मीन पर लिटा कर मेरे मम्मे के अन्दर अपना लंड बीच में डाल कर धक्के मारने लगा और अपना लंड का पानी मेरे मम्मे पर डाल दिया और कुछ पानी मेरे मुंह में भी डाल दिया। मैने जल्दी से उठ कर उसका लंड अपने मुंह में ले कर चूसने लगी। जैसे वो लड़की घोड़े का चूस रही थी। मुझे आज फ़िल्म देखने के बाद चुदवाने में कुछ ज्यादा मजा आया था। भैया ने भी मेरे बूब्स से अपना पानी चाट कर साफ़ कर दिया फिर हम दोनो बाथरूम में जाकर नहा कर रोटी खा कर एक दूसरे को बाहों में लेकर सो गये।

## साली से जयपुर में मज़ा

हाय! दोस्तों मेरा नाम राज है मैं जयपुर का हूँ ओर मेरी उमर 32 साल है ओर मैं शादी शुदा हूँ। मैने काफ़ी स्टोरी पढ़ी हैं नेट पर। मुझे पढ़ने में बहुत ही मज़ा आता है। मेरी भी एक स्टोरी है लेकिन मैने उसे कभी लिखा नहीं पर आज आप सबके लिये लिख रहा हूँ। मैं शादी शुदा हूँ और मेरी शादी को 5 साल हो गये हैं मेरी एक साली है 18 साल की, अभी एक साल पहले तक तो मैने उसे इस तरह की नज़र से नहीं देखा था लेकिन उसकी तरफ से हिंट मिलने पर कुछ उसके लिये मैं एक्साइटेड हो गया। लेकिन अब पहल कौन करे मैं जयपुर में था ओर वो जयपुर से करीब 100 किलोमीटर दूर एक टाउन में थी। सो फोन पर ही बातें होती थी ओर मैं फोने पर उसे इस बात के लिये एग्री करता कि मैं क्या चाहता हूँ। लेकिन तुम लड़कियों की आदत होती है न कि जल्दी से सब चाहते हुए भी हां नहीं करती हो।

इसलिये वो भी मना करती थी कि किसी को पता चल जयेगा तो क्या होगा जीजाजी। लेकिन मैने उसे कहा कि किसको पता चलेगा मैं मौका देखकर ही काम करूंगा। वो मुझ पर पूरा विश्वास करती है ओर मुझे पसंद भी बहुत करती है ओर मेरी नराज़गी का ख्याल भी है उसे। एक बार मैं ससुराल गया मेरी ससुराल में सास ससुर साला ओर दो सालियां और साले के वाइफ़ हैं मेरे पास 800 मारुति कार है वो ही लेकर मैं जाता हूँ और दो दिन तक मैं जब भी ससुराल जाता हूँ तो रुकता हूँ।

ओर इस दौरान कहीं भी आस पास सब लोग मेरी गाड़ी में बैठकर घूमने भी जाते हैं पर वहां पर वो मौका लगते ही मेरे पास आ जाती है ओर बातें करती है ओर सच बताउं तो मैने अभी तक उसे टच नहीं किया था क्योंकि मैने उसे कह दिया था कि जब तक वो नहीं चाहेगी मैं उसे टच नहीं करूंगा। इसलिये मैं उसे बातें ही करता हो जोर देता की वो मान जाये लेकिन वो चाहती थी मैं सही मौके के इंतज़ार में रहूं ये कहा तो नहीं उसने पर मुझे ऐसा लगा। लास्ट टाइम तक जब मैं ससुराल गया अभी 3 महीने पहले तब तक मैने उसे टच नहीं किया था पर मैं उसे और वो मुझे ऐसी बातों से एक्साइटेड कर देते थे। इस बार मैं ससुराल गया तो हम लोग वहां से घूमने गये हरियाणा के एक धार्मिक जगह पर जो वहां से 1.50 घंटे की दूरी पर थी। मारुति में कितनी जगह होती है 3 आगे और 4 पीछे मेरे ससुर को छोड़कर बाकी सब गये थे तो वो हमेशा की तरह मेरे बाजु में आगे बैठ गैए मतलब आगे मैं द्राइवर सीट पर ओर मेरे बगल में मेरी साली ओर उसके बगल में मेरा साला यानि वो बीच में थी। बीच में जहां पर गाड़ी के गीयर होते है उनके दोनो तरफ उसकी टांगें थी।

एक टांग तो मेरी टांग से सटी हुई थी और एक टांग मेरे साले से ओर दोनो टांगों के बीच में गाड़ी का गीयर था। मैं तो पहले से ही एक्साइटेड था ओर वो मुझे बड़ी ही नशीली आंखों से देख रही थी। मैं गाड़ी चला रहा था तो गीयर लगाते हुए मैने पहल कर दी ओर उसकी जांघों को टच करता था। वो सलवार शूट में थी। पज़ामा ढीला ढाला होता है लड़कियों का उसमे से में उसे टच करता और मैने हाथ गीयर पर ही रखे रखा। जब हम जा रहे थे तो दिन का टाइम था सो मैने ज्यादा रिस्क लेना ठीक नहीं समझा और सिर्फ़ टच ही करता था जब गीयर लगाता तो सहला देता था उसकी जांघों को ओर वो कशमशा जाती थी ओर मेरी तरफ झुकी नज़रों से देखती थी। गीयर लगाते टाइम मेरी कोहनी उसके बूब्स पर थी तो वो भी अपने बूब्स को मेरी कोहनी पर रगड़ देती थी। ये सिलसिला करीब 1.50 घंटे तक चला ओर हम वहां पहुंच गये। वो मुझसे वहां पर नज़रे मिलाती और मुस्करा देती थी मैं भी एक्साइटेड होकर मुस्करा कर जवाब देता लेकिन कहते कुछ भी नहीं। अब वापस आते टाइम शाम हो चुकी थी और अंधेरा हो चुका था। उस अंधेरे में मैने अपने आपको उसकी तरफ से invitation समझ कर मेरे हाथ को गीयर लगाने के बाद उसकी जांघों को कस कर दबाता रहा ओर मेरे हाथ को उसकी चूत पर भी ले जाने लगा तो वो कुछ ज्यादा ही एक्साइटेड हो रही थी ओर मेरी कोहनी से बूब्स को रगड़ रही थी। इससे मेरा टूल तो काफ़ी कड़क हो चुका था फिर मैने थोड़ी देर बाद उसकी चूत में पज़ामे के उपर से ही अपनी उंगली से रगड़ने लगा और उंगली से धक्का लगाने लगा कुछ देर बाद मैने उस अंधेरे में महसूस किया कि उसकी चूत पूरी तरह से गीली हो चुकी थी ओर वो मस्त हो गयी थी, ना मैं उससे कुछ बोल रहा था ओर नहीं वो मुझसे। बाकी सब

लोग गाड़ी में बातें कर रहे थे और किसी को कुछ पता नहीं था हमारी इस रासलीला का।

क्योंकि वो लोग सब मुझे बहुत ही शरीफ़ मानते है। जब घर पर पहुंचे तो वो मुझसे कुछ नहीं बोली पर मैने उसे मुस्करा कर एक आंख से इशारा किया और वो मुस्करा कर बाथरूम में चली गयी। फिर वो मेरे पास जिस कमरे में मुझे सोना था जब भी में जाता हूँ तो वो मेरे पास बैठ जाती है ओर बातें करती है इसलिये उस दिन भी वो मेरे पास आ गयी में बेड पर लेटा था ओर उससे कोई बात नहीं कर रहा था पर उसकी बेचैनी को समझ सकता था मैं, उसने आंखों ही आंखों में बहुत कुछ बोल दिया था मुझसे। मैने मौका देखकर उसका हाथ पकड़ लिया और दबाने लगा तो वो कुछ भी नहीं बोली फिर मैने उसके हाथ को सहलाते हुए मेरे हाथ को उसकी कंधो पर ले गया ओर सहलाने लगा फिर मैने थोड़ा और आगे बढ़ाते हुए उसके बूब्स को दबा दिया और सहलाने लगा तभी वो बोली की जीजु कोई देख लेगा। मैने कहा कि सब सो गये है कोई नहीं देखेगा तो वो नहीं मानी तो मैने उससे कहा की में उपर वाले बाथरूम में जा रहा हूँ तुम भी आ जाना गरमी के दिन थे मैं चला गया।

वो कुछ देर बाद आ गयी मैने उसे वहां पर पकड़ लिया और चूमने और सहलाने लगा उसके बोडी के पार्ट्स को वो नाइटी में थी और ब्रा नहीं थी उसके बूब्स पर। मुझे तो जैसे जन्नत ही मिल गयी थी पर मैं उससे वहां पर चोदू कैसे ये समझ नहीं आ रहा था क्योंकि कोई भी वहां आ गया तो मेरी तो वाट लग जाती और वो भी डरी हुई थी लेकिन मैं मौका जाने भी नहीं दे सकता था तो मैने उसके बूब्स को अपना हाथ उसकी नाइटी में डालकर दबाने लगा और नाइटी को उपर करके चूसने लगा और इस दौरान मैने उसके पैंटी में एक हाथ डाल कर उसकी पुस्सी को रब करने लगा जो पहले ही गीली थी और मस्त हो गयी और तब उसने कहा की जीजु रहा नहीं जा रहा है तो मैने उसे मेरी गोद में दोनो तरफ टांगे करके बैठा लिया मैने मेरा लंड बाहर निकाल कर उसकी पुस्सी पर लगा दिया और धीरे धीरे अंदर करने लगा लेकिन मेरा 8” का टूल उसकी पुस्सी में घुस ही नहीं रहा था और उसे पैन भी हो रहा था लेकिन उस रात वो दो घंटे तक मुझसे मज़े लेती रही और मैं भी उसके साथ मज़े लेता रहा लेकिन उस रात मैं पूरा मज़ा उसके साथ नहीं ले पया और दूसरे दिन next time के लिये दोनो ने बाय की अब मैं जल्दी ही वहां पर जाने की तैयारी में हूँ तब मैं आगे की दास्तां लिखूंगा।

दोस्तों, कैसी लगी मेरी कहानी ये मेरी सच्ची कहानी है, दोस्तों इसके लिये मुझे आप अपना experience mail करना और अगर कोई जयपुर से any age female या girl मुझसे chat या mail पर बात करना चाहे तो कर सकती है और मुझे उसपर भरोसा हुआ तो मैं उसे फोन पर भी

**बात करने को ready हूँ।**